तेरा दीदार क्यों नहीं होता

तेरा दीदार क्यों नहीं होता,
मुझपे उपकार क्यों नहीं होता ॥

मैं गुनेहगार फिर भी तेरा हूं,
मेरा उद्धार क्यों नहीं होता,
तेरा दीदार क्यों नहीं होता,
मुझपे उपकार क्यों नहीं होता ॥

लाखों पापी तूने तार दिये,
मेरा उद्धार क्यों नहीं होता,
तेरा दीदार क्यों नहीं होता,
मुझपे उपकार क्यों नहीं होता ॥

तेरे दामन में छुप के रो लेता,
ऐसा इक बार क्यों नहीं हाता,
तेरा दीदार क्यों नहीं होता,
मुझपे उपकार क्यों नहीं होता ॥

तेरी चौखट पे जो किया मैंने,
सिजदा सविकार क्यों नहीं होता,
तेरा दीदार क्यों नहीं होता,
मुझपे उपकार क्यों नहीं होता ॥

तेरी रहमत की चार बूंदों का,
ये दास हकदार क्यों नहीं होता,
तेरा दीदार क्यों नहीं होता,
मुझपे उपकार क्यों नहीं होता ॥

तेरे पास आने को जी चाहता है,
वृन्दावन आने को दुरी मिटाने को जी चाहता है,
तेरे पास आने को जी चाहता है.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23719/title/tera-deedar-kyu-nahi-hota

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |